



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को दिल्ली में राजस्थान हाउस का दौरा कर नवनिर्माण कार्यों को निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, भवन निर्माण में राजस्थान की बेजोड़ स्थापत्य कला का ध्यान रखा जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि, निर्माण कार्यों में गति लाने की जरूरत है, ताकि निर्माण कार्य तय समय-सीमा में पूरा हो सके।

## मु.मंत्री भजनलाल ने राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण का निरीक्षण किया

नई दिल्ली/जयपुर, 10 जून (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली के पृथ्वीराज रोड स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को कार्य में और अधिक गति लाते हुए तय समय-सीमा में इन्हें पूरा करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि समय-सीमा के साथ ही निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि, ऐतिहासिक राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। 136 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस राजस्थान हाउस के 2

- मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि, तय समय सीमा में काम पूरा किया जाए और गुणवत्ता के साथ काम पूरा किया जाए।
- नई दिल्ली के लुटियंस ज़ोन में 7050 वर्ग गज में स्थित राजस्थान हाउस का इन दिनों नवीनीकरण चल रहा है।

बेसमेंट स्तंभर का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। लोअर और अपर बेसमेंट में हवा के लिए डक्ट लगाने तथा फायर फाईटिंग के लिए पाइप इत्यादि लगाने का कार्य प्रगति पर है। अधिकारियों ने बताया कि, लोअर बेसमेंट में अंडर ग्राउंड वाटर टैंक एवं सोलर ट्रीटमेंट प्लांट के सिविल

कार्य भी प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि, भवन के पुनर्निर्माण के कार्य शीघ्र पूरे किए जाएं।

नई दिल्ली के "लुटियंस ज़ोन" में 7050 वर्ग मीटर में पुनः निर्मित हो रहा राजस्थान हाउस, राजस्थान सरकार का एक राजकीय गेस्ट हाउस

है। इसके पुनर्निर्माण में राजस्थान की कलात्मक स्थापत्य शैली का खूबसूरत तरीके से समन्वय किया जाएगा। भवन की बाहरी दीवार पर धौलपुर सैण्ड स्टोन क्लेडिंग का कार्य किया जाएगा।

नवीन राजस्थान हाउस में दो बेसमेंट, भूतल और 6 फ्लोर का प्रावधान रखा गया है। भवन के बेसमेंट में पार्किंग तथा मुख्य भवन में लॉबी, कैफेटेरिया, वेटिंग एरिया, डाईनिंग एरिया, फ्यूबारा, हैंगिंग झूमर, एट्रियम आदि बनाए जाएंगे। वहीं, प्रथम तल पर कॉन्फ्रेंस हॉल, पुस्तकालय व जिम तथा छत पर टैरेस गार्डन, पार्टी हॉल, योग कक्ष आदि की सुविधाएं होंगी।

## सचिन पायलट ने टोंक में शहीद स्मारक का अनावरण किया

पायलट ने इस अवसर पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया तथा वीरांगनाओं को सम्मानित किया

टोंक, 10 जून (निर्स)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं टोंक विधायक सचिन पायलट सोमवार को टोंक विधानसभा क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर रहे। पायलट ने नगर परिषद द्वारा 1 करोड़ 28 लाख की लागत से बने शहीद स्मारक का अनावरण कर शहीदों को नमन किया एवं वीरांगनाओं को सम्मानित किया। लोकार्पण के दौरान अपने सम्बोधन में पायलट ने कहा कि, सेना और देश हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी हैं। पायलट ने कहा कि, सैनिक जब देश के लिए वीरता पहनता है तो उसका दिल गर्व से देश के प्रति सम्मान से भर उठता है, सैनिकों के परिवारों की सभी समस्याओं के निराकरण के लिए मैं उनके साथ हूँ। इस मौके पर लगभग दो दर्जन से अधिक शहीद सैनिकों के परिजनों को सम्मानित भी किया गया।

पायलट ने पं.स. टोंक की ग्राम पंचायत देवपुरा के ग्राम सुनेला हाजीपुरा में, विधायक स्थानीय विकास कोष से

10 लाख रुपये की स्वीकृत राशि से निर्मित सामुदायिक भवन तथा ग्राम देवपुरा में विधायक स्थानीय विकास कोष से 10 लाख रुपये की राशि से निर्मित भीमराव अम्बेडकर भवन का लोकार्पण किया। पायलट ने सिकंदर हाउस में कांग्रेस के जिला स्तरीय सदस्यों के साथ जनसुनवाई भी की।

पायलट ने कहा, मैं अपने आप को



कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने देवपुरा ग्राम पंचायत में तीन विकास कार्यों का लोकार्पण किया। पायलट ने देवपुरा गांव में सामुदायिक स्वास्थ्य भवन एवं अम्बेडकर भवन टोंक की जनता को समर्पित किया। पायलट ने 1.28 करोड़ रुपये की लागत से बने शहीद स्मारक का अनावरण कर शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित किया।

बड़ा खुश किस्मत समझता हूँ कि 11-12 वर्षों से मैं सैन्य में काम कर रहा हूँ, मेरे लिए खुशी की बात है कि यह तीसरी पीढ़ी है, मेरे दादाजी, मेरे पिताजी स्व. पायलट एयर फोर्स में थे। संयोग की बात है कि, एक विधायक व सैनिक के नाते मुझे शहीद स्मारक के उद्घाटन का संयोग मिला है। इस दौरान पायलट ने अग्निवीर योजना की जगह पुरानी भती को दुबारा

लागू करने की बात कही। इसके बाद पायलट ने सिकंदर हाउस में जनसुनवाई की। जनसुनवाई में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही जलदाय विभाग, बिजली विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग के सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान लगभग 100 शिकायत पत्र पायलट के

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने सोमवार को टोंक का एक दिवसीय दौरा किया।

टोंक प्रवास में पायलट ने सुनेला हाजीपुरा गांव में बने सामुदायिक भवन तथा देवपुरा गांव में बने भीमराव अम्बेडकर भवन का भी लोकार्पण किया।

समक्ष रखे गए अधिकांश शिकायतें बिजली, पानी व स्वास्थ्य को लेकर थीं। पायलट ने मौजूद अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के आदेश दिए। पायलट ने अपने सम्बोधन में कहा कि, विगत कार्यकाल में भी टोंक में अनेक विकास कार्य करवाये गये हैं। विधानसभा चुनाव एवं लोकसभा चुनावों में टोंक से कांग्रेस पार्टी को विजयी बनाया है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि विकास का यह क्रम नहीं टूटेगा और जनता के कामों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जायेगी।

## पहली फाइनल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जयराम ने कहा कि दरअसल 16वीं किशत जनवरी में ड्यू हो गई थी और प्रधानमंत्री की चुनावी गुणा भाग के कारण यह किशत एक माह विलम्बित हो गई थी जबकि इसके बाद 17वीं किशत अप्रैल/मई में देय हो गई थी परन्तु यह किशत चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण निलम्बित हुई थी।

जयराम रमेश ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री को सच्चे मायने में किसानों की परवाह है तो उन्हें ये पाँच काम करने चाहिए:-

- एम.एस.पी. को कानूनी दर्जा दें, स्वामीनाथन आयोग के फार्मूला अनुसार,
- किसानों की कर्ज माफी और उसको प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने के लिए एक स्वामी आयोग बनाए,
- फसल नुकसान के 30 दिनों के अंदर, गारंटीकृत बीमा भुगतान की राशि सीधे बैंक खाते में जमा हो,
- उचित आयात-निर्यात नीति बन,
- किसानों से सलाह-मशविरा के बाद और
- कृषि के काम आने वाली आवश्यक वस्तुओं पर अब की.एस.टी. नहीं लगे।

मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा एकमात्र सीट पर उपचुनाव होगा। यह विधानसभा सीट कमलेश प्रताप शाह के इस्तीफा देने से रिक्त हुई है। इसी प्रकार पंजाब में जालंधर पश्चिम की सीट से शीतल अंगुराल से इस्तीफा देने के कारण होगा। पश्चिम बंगाल में 3 सीटों पर उपचुनाव वर्तमान विधायकों के द्वारा त्याग पत्र देने से होंगे, इसमें मुकुट अधिकारी की सीट भी शामिल है और एक उपचुनाव मानिकताला के विधायक साधन पांडे की मृत्यु होने के कारण होगा। हिमाचल प्रदेश में हमीरपुर, देहरा व नालगढ़ की तीन सीटों के उपचुनाव वहाँ के वर्तमान विधायकों द्वारा इस्तीफा देने के कारण कराए जा रहे हैं।

## 7 राज्यों की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा एकमात्र सीट पर उपचुनाव होगा। यह विधानसभा सीट कमलेश प्रताप शाह के इस्तीफा देने से रिक्त हुई है। इसी प्रकार पंजाब में जालंधर पश्चिम की सीट से शीतल अंगुराल से इस्तीफा देने के कारण होगा। पश्चिम बंगाल में 3 सीटों पर उपचुनाव वर्तमान विधायकों के द्वारा त्याग पत्र देने से होंगे, इसमें मुकुट अधिकारी की सीट भी शामिल है और एक उपचुनाव मानिकताला के विधायक साधन पांडे की मृत्यु होने के कारण होगा। हिमाचल प्रदेश में हमीरपुर, देहरा व नालगढ़ की तीन सीटों के उपचुनाव वहाँ के वर्तमान विधायकों द्वारा इस्तीफा देने के कारण कराए जा रहे हैं।

## मोदी चन्द्रबाबू नायडू के शपथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टी.डी.पी. के सत्ता में आ जाने के बाद आंध्र प्रदेश की राजधानी के निर्माण में जोरदार तेजी आएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने तेलुगूदसम पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन किया था। इस निर्णय ने एन.डी.ए. को बहुमत के जाइंट आंकड़े को पार करने में मदद की। प्रधानमंत्री अब अमरावती के पुनर्निर्माण को उपकृत करेंगे और उम्मीद है कि वे जब मुख्यमंत्री एन. चन्द्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल होंगे तो नई राजधानी के प्रोजेक्ट की आधारशिला रखेंगे। टी.डी.पी. सुप्रियो को यह आशा भी है कि प्रधानमंत्री आंध्र प्रदेश की नई राजधानी के निर्माण के लिए स्पेशल पैकेज भी देंगे। अब तक दोनों, तेलुगू भाषी राज्य आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की हैदराबाद संयुक्त राजधानी रहता आया है, लेकिन 2 जून को समाप्त हुई दस वर्ष की अवधि के बाद अब यह संयुक्त राजधानी नहीं है।

आंध्र प्रदेश सरकार के क्रियाकलापों का संचालन अमरावती और विशाखापट्टनम के अन्तर्गत भी हो रहा है क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री व्हा.एस. जगनमोहन रेड्डी ने राज्य के लिए तीन राजधानियाँ रखने का विकेंद्रित विकल्प चुना था, लेकिन अब यह राजधानी कमर्शियल हब

विजयवाड़ा से लगते हुए अमरावती में बनाई जाएगी। नायडू जब वर्ष 2016 में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तब राज्य के विभाजन के बाद नायडू की अपील पर किसानों ने नई राजधानी के निर्माण के लिए कई सौ एकड़ भूमि दान में दी थी।

आंध्र प्रदेश विधानसभा के 4 जून को आए नतीजों में टी.डी.पी. की जीत हुई थी और चन्द्रबाबू नायडू का अमरावती के नजदीक गवावरम में 12 जून को शपथ लेना तय है। शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री मोदी भी उपस्थित होंगे और उम्मीद है कि वह इस मौके पर वही अमरावती के पुनर्निर्माण की आधारशिला रखेंगे।

निस्संदेह! अमरावती देश के प्रमुख पावर सेंटर्स में से एक होगी क्योंकि लोकसभा में टी.डी.पी. के 16 और उसकी सहयोगी जनसेना के 2 सांसद हैं, जिसके कारण वह मोदी के नेतृत्व वाली अल्पमत एन.डी.ए. सरकार पर भारी दबाव बनाए रखेंगे। जद (यू) के 12 सांसद निर्वाचित होकर आए हैं और टी.डी.पी. तथा जद (यू) के सहयोग के बिना मोदी सरकार की हालत पतली हो जाएगी। यद्यपि, टी.डी.पी. और जद (यू) के बिना भी एन.डी.ए. सरकार के पास काम चलाऊ बहुमत हो सकता है, लेकिन इनकी उपस्थिति सरकार को जरूरी स्थायित्व प्रदान करती है।

इसीलिए, मोदी सावधानीपूर्वक आगे बढ़ रहे हैं तथा उन्होंने टी.डी.पी. की स्वीकर पद की डिमाण्ड को सिरे से खारिज नहीं किया है। अमरावती से प्राप्त नवीनतम खबरों के अनुसार लोकसभा स्पीकर के पद की मांग को लेकर टी.डी.पी. अड़ी हुई है और इस पर भी कि चन्द्रबाबू नायडू को एन.डी.ए. की समन्वय कमेटी का संयोजक बनाया जाए।

नायडू की पार्टी इससे पहले भी

एन.डी.ए. गठबंधन का हिस्सा रह चुकी है और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. में भी वह संयोजक थे, लेकिन, गोधरा कांड के बाद हुए गुजरात दंगों के बाद उन्होंने एन.डी.ए. छोड़ दिया था।

## भाजपा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिन्हा को लीगल नोटिस भेजा और कहा है कि उन पर बेहद अपमानजनक आरोप लगाए गए हैं। वे आरोप भाजपा नेता की मान प्रतिष्ठा के लिए बेहद घातक है। यह बयान उनकी छवि खराब करने के लिए जान बूझकर दिया गया है। नोटिस कहता है कि, उक्त ये आरोप झूठे, अपमानजनक फर्जी हैं और साक्षरता के सांसद हैं। और इस आरोप ने सार्वजनिक रूप से मेरे क्लाइंट के मान प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है।

## चार बड़ी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने पहले निर्णय में, मंत्रिमण्डल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए तीन करोड़ घर बनाने की योजना को अनुमति दे दी। सोमवार को सवेरे, प्रधानमंत्री मोदी ने 9.3 करोड़ किसानों में वितरित करने को अधिकृत करने वाली अपनी पहली फाइल पर हस्ताक्षर किए।

रविवार शाम को राष्ट्रीय भवन में नये और पुराने 30 केन्द्रीय मंत्रियों ने शपथ ली। पाँच स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री और 36 वरिष्ठ मंत्रियों ने भी शपथ ली।

एक प्रश्न यद्यपि अभी भी शेष है कि, लोकसभा स्पीकर का पद किसे मिलेगा? बहुत सी रिपोर्टों ने दावा किया है कि, टी.डी.पी. और जद (यू), जो कि इस चुनाव में किंगमेकर बनकर उभरे हैं, इस मुख्य पद की तरफ देख रहे हैं। लेकिन भाजपा के सूत्रों ने कहा, वो इस पद को देने के इच्छुक नहीं हैं। शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री का तत्काल एजेंडा केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संसद का सत्र बुलाने के लिए केन्द्रीय मंत्रिमंडल का राष्ट्रपति को औपचारिक आग्रह अर्पित होता है। इस सत्र में दोनों फर्जी हैं और साक्षरता के सांसद हैं। और इस आरोप ने सार्वजनिक रूप से मेरे क्लाइंट के मान प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है।

## महाराष्ट्र के सहयोगी दलों ने एन.डी.ए. में नाराजगी के सुर बुलंद किये

एन.सी.पी. और शिवसेना (शिंदे गुट) का कहना है कि, हमारे सात सांसद होने के बावजूद एक मंत्री पद मिला है जबकि, बिहार से जीतन राम मांझी अपनी पार्टी के अकेले सांसद हैं, फिर भी मंत्री बन गये हैं

मुंबई, 10 जून। केंद्र में एन.डी.ए. की नई सरकार बनते ही महाराष्ट्र में दो घटक दल भाजपा से नाराज हो गए हैं। पहले उप मुख्यमंत्री अजित पवार की पार्टी ने नाराजगी जताई और अपने किसी भी सांसद को मंत्री पद की शपथ लेने नहीं दिया और अब शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ने नाराजगी जाहिर की है। शिवसेना (शिंदे गुट) की शिकायत है कि उसके सात सांसद होने के बावजूद सिर्फ एक राज्यमंत्री का पद दिया गया, जबकि उनसे कम सांसदों वाले दलों को कैबिनेट मंत्री

का पद दिया गया। शिवसेना के चीफ व्हिप श्रीरंग बारणे ने कहा, "हम उम्मीद कर रहे थे कि हमें भी कैबिनेट पद दिया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चिराग पासवान के पांच सांसद हैं, जीतनराम एन.डी.ए. के सांसद हैं। एच.डी. कुमारस्वामी की पार्टी के भी दो ही सांसद हैं। फिर भी उन लोगों को कैबिनेट मंत्री पद दिया गया, जबकि हमारे पास तो सात सांसद थे फिर राज्य मंत्री का एक ही पद क्यों दिया गया।" श्रीरंग बारणे ने दावा किया कि उनकी पार्टी शिवसेना को उसकी

शिवसेना के चीफ व्हिप श्रीरंग बारणे ने कहा, "हम उम्मीद कर रहे थे कि, हमें भी कैबिनेट पद दिया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चिराग पासवान के पांच सांसद हैं, जीतनराम एन.डी.ए. के सांसद हैं। एच.डी. कुमारस्वामी की पार्टी के भी दो ही सांसद हैं। फिर भी उन लोगों को कैबिनेट मंत्री पद दिया गया, जबकि हमारे पास तो सात सांसद थे फिर राज्य मंत्री का एक ही पद क्यों दिया गया।" श्रीरंग बारणे ने दावा किया कि उनकी पार्टी शिवसेना को उसकी

शिवसेना के चीफ व्हिप श्रीरंग बारणे ने कहा, "हम उम्मीद कर रहे थे कि, हमें भी कैबिनेट पद दिया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चिराग पासवान के पांच सांसद हैं, जीतनराम एन.डी.ए. के सांसद हैं। एच.डी. कुमारस्वामी की पार्टी के भी दो ही सांसद हैं। फिर भी उन लोगों को कैबिनेट मंत्री पद दिया गया है।

शिवसेना के चीफ व्हिप श्रीरंग बारणे ने कहा, "हम उम्मीद कर रहे थे कि, हमें भी कैबिनेट पद दिया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चिराग पासवान के पांच सांसद हैं, जीतनराम एन.डी.ए. के सांसद हैं। एच.डी. कुमारस्वामी की पार्टी के भी दो ही सांसद हैं। फिर भी उन लोगों को कैबिनेट मंत्री पद दिया गया है।

शिवसेना के चीफ व्हिप श्रीरंग बारणे ने कहा, "हम उम्मीद कर रहे थे कि, हमें भी कैबिनेट पद दिया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चिराग पासवान के पांच सांसद हैं, जीतनराम एन.डी.ए. के सांसद हैं। एच.डी. कुमारस्वामी की पार्टी के भी दो ही सांसद हैं। फिर भी उन लोगों को कैबिनेट मंत्री पद दिया गया है।

## शपथ ग्रहण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनौती देने की स्थिति में नहीं है। सूत्र बताते हैं कि सहयोगी दलों की मान-मनुहार तब तक ही की गई जब तक कि मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ नहीं ले ली। मोदी के लिए निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि वह अब भी नई बोटल में पुरानी शराब की भाँति हैं। एन.डी.ए. ने अपने सहयोगियों के साथ जिस तरह का बर्ताव किया है, उसे लेकर विपक्ष ने उनकी कड़ी आलोचना की है। विपक्ष के नेताओं का कहना है कि भाजपा ने इस बारे में अंतिम रूप से कुछ नहीं कहा है और भाजपा के सहयोगी दलों की भी संद में अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।